मंगलवार
15 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

एलोवेरा को अपने आहार में शामिल करने के हैं फायदे

पृष्ठ 5

बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं सुहाना खान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 22
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

द्वेश बुद्धि को हम द्वेश से नहीं मिटा सकते, प्रेम की शक्ति ही उसे मिटा सकती है।
– विनोबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अब की बार किसकी सरकार ?

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अब की बार किसकी सरकार? मतदान के बाद अब यह अहम सवाल सभी के मन को मथ रहा है। इस बार क्या एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की सरकार के मिथक को तोड़ कर क्या भाजपा लगातार दो बार सरकार बनाने का चमत्कार करके दिखायेगी या फिर कांग्रेस पुरानी परंपरा को बरकरार रखते हुए सत्ता का सिंहासन हासिल करने में सफल रहेगी?

मतदान के बाद यह साफ हो गया है कि मतदान के प्रतिशत में इस मुद्दे पर किसी को भी कयास लगाने का मौका नहीं छोड़ा है। क्योंकि मतदान प्रतिशत विगत से हो रहे विधानसभा चुनाव के इर्द-गिर्द ही रहा है। उसमें कोई खास उछाल या गिरावट नहीं रही है। जिसे सत्ता विरोधी या विपक्ष विरोधी रुझान के रूप में देखा जा सके। भाजपा एक बार फिर मोदी मैजिक के दम पर 60 पार का सपना संजोए बैठी है, तो वहीं कांग्रेस प्रदेश सरकार की नाकामियों के दम पर भाजपा को तड़ीपार करने का दावा ठोक रही है। इस चुनाव में पीएम मोदी की जो ताबड़तोड़ चुनावी जनसभाएं हुई वह भी

●क्या मोदी मैजिक फिर करेगा भाजपा का बेड़ा पार
●क्या महंगाई, बेरोजगारी पर कांग्रेस भाजपा को करेगी तड़ीपार
●आप ने बढ़ाई नेताओं की धड़कनें और उलझने

यही बताती है कि प्रदेश भाजपा की सरकार को अपने पर नहीं मोदी के मैजिक पर अधिक भरोसा है और अगर 2017 की तरह मोदी का जादू चला तो भाजपा की सफलता सुनिश्चित है और मोदी का जादू नहीं चला तो भाजपा को बहुमत के जादुई आंकड़े को छू पाना मुश्किल हो जाएगा।

वर्तमान चुनाव में आम आदमी पार्टी के कूदने और मुफ्त की राजनीति की घोषणा का भी प्रभाव पड़ना तय है। आम आदमी पार्टी जिसके बारे में कांग्रेस द्वारा उसे भाजपा की बी टीम बताया जाता रहा है अगर वह वास्तव में भाजपा की बी टीम साबित होती है और उसके आने से कांग्रेस का वोट प्रतिशत प्रभावित होता है तो वह भाजपा के लिए वरदान साबित हो सकती है, लेकिन मतगणना से पूर्व इसकी पुख्ता तौर पर गारंटी नहीं दी जा सकती है कि आप के आने से किसे कितना लाभ होगा या किसे कितना नुकसान। आप ने भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दलों के नेताओं को उलझन में जरूर डाल दिया है।

भाजपा जिसका राज्य गठन से लेकर अब तक लगातार मत प्रतिशत चुनाव दर चुनाव बढ़ता ही रहा है 2002 में भाजपा का मत प्रतिशत 26.9 फीसदी रहा था जो 2017 में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर 46.5 फीसदी तक पहुंच गया इस चुनाव में भाजपा ने 70 में से 57 सीटें जीत कर नया रिकॉर्ड बनाया था सवाल यह है कि क्या इस बार भी भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ेगा? अगर ऐसा हुआ तो फिर भाजपा का अब की बार 60 पार का सपना भी पूरा हो सकता है लेकिन अगर यह नीचे गिरता है तो वह भाजपा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

चुनावी रंजिश में फायरिंग, एक घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चुनावी रंजिश को लेकर देर शाम हुए विवाद में दो पक्ष आमने सामने आ गये जहां एक पक्ष द्वारा गोली चलाये जाने से एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी

हालत को देखते हुए उसे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी हमलावर की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम लक्सर के खानपुर थाना क्षेत्र के गिद्दावाली गांव में दो पक्षों में चुनावी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग कर दी। जिसमें एक व्यक्ति गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश और चुनाव के चलते अपने-अपने प्रत्याशियों को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मामले ने तूल पकड़ लिया और इस दौरान विशाल पुत्र प्रियतम ने अजीत पुत्र बबलू के ऊपर फायर झोंक दिया। गोली लगने से अजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। हालांकि स्थानीय लोगों द्वारा घायल को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी गयी है।

रूस ने यूक्रेन बॉर्डर से अपने सैनिकों को बेस पर वापस बुलाया !

नई दिल्ली । रूस ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन बॉर्डर से अपने सैनिकों को बेस पर वापस बुला लिया है। समाचार एजेंसियों के हवाले से जारी इस खबर के बाद दुनिया ने राहत की सांस ली है। इससे पहले आशंका जताई गई थी कि क्या रूस, यूक्रेन पर हमला करने जा रहा है? यूक्रेन के राष्ट्रपति के एक फेसबुक पोस्ट के बाद पूरी दुनिया में डर का माहौल बन गया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सोमवार को घोषणा की थी कि बुधवार, १६ फरवरी श्एकता का दिनश होगा, क्योंकि उस दिन उनके देश पर रूसी आक्रमण शुरू हो सकता है। इसके साथ ही यूक्रेन में बुधवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया था। साथ ही अमेरिका ने भी यहां अपना दूतावास खाली कर दिया था। इससे पहले बाइडेन प्रशासन ने शुक्रवार को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन पर कभी भी हमला हो सकता है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की घंटे भर की वार्ता यूक्रेन पर हमले की आशंका कम नहीं कर पाई। बाइडन ने रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलिंस्की से भी करीब घंटे भर बात और मदद का भरोसा दिलाया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा है कि रूस ने यूक्रेन की सीमाओं पर एक लाख ३० हजार से ज्यादा सैनिकों को तैनात कर दिया है। हालांकि, जेलिंस्की ने अपने नागरिकों से शांत बने रहने की अपील करते हुए रूसी हमले की आशंका के ठोस सुबूत मिलने से इन्कार किया है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के आए 27409 नए मामले, 82 हजार से ज्यादा हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की रफ्तार में कमी जारी है। पिछले २४ घंटे में देश में कोविड-१६ के २७,४०६ नए मामले सामने आए हैं। साथ ही ३४७ और मरीजों की मौत कोरोना से इस अवधि में हुई है। ये जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी की गई। ऐसे में देश में कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर ५०६३५८ हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश में दैनिक संक्रमण दर अब २.२३ प्रतिशत रह गया है। एक्टिव केस भी घटकर चार लाख २३ हजार १२७ रह गए हैं। इसमें पिछले २४ घंटे में ५५ हजार ७५५ की कमी आई है। वहीं कोरोना से

ठीक होने वालों की कुल संख्या बढ़कर ४१७६०४५८ हो गई है। पिछले २४ घंटे में ८२८१७ मरीज कोरोना को मात देने में कामयाब हुए।

इस बीच देश में कोविड वैक्सीन की १७३ करोड़ डोज भी लगाई जा चुकी है। पिछले २४ घंटे में ४४ लाख ६८ हजार ३६५ डोज लगाई गई। वहीं, देश में कोरोना की पहचान के लिए १२ लाख २६ हजार ५३६ सैंपल की जांच भी सोमवार को की गई।

कोरोना के महाराष्ट्र समेत पूरे देश में कम हो रहे मामलों के बीच मुंबई में कराए गए कुछ सैंपल के ताजा जीनोम सिक्वेंसिंग से पता चला है कि यहां ६५ प्रतिशत मामले ओमीक्रोन वेरिएंट से जुड़े हैं। देश में कोरोना की तीसरी लहर के लिए जिम्मेदार ओमीक्रोन वेरिएंट ही है। बीएमसी के मुताबिक मुंबई के १६० सैंपल के कराए गए जीनोम सिक्वेंसिंग में १८० (६४.७४ प्रतिशत) सैंपल में ओमीक्रोन की पुष्टि हुई। जिन १६० सैंपल को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा गया था, उसमें २३ मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से २१ लोगों में संक्रमण के लिए ओमीक्रोन वेरिएंट जिम्मेदार था।

दून वैली मेल

संपादकीय

मतदाताओं ने निभाई जिम्मेदारी

उत्तराखंड की जनता पांचवीं विधानसभा के गठन के लिए मतदान के जरिए अपनी अभिव्यक्ति का काम पूरा कर चुकी है। 632 प्रत्याशियों में से कौन से 70 भाग्यशाली होंगे जो 2022 की इस नई विधानसभा के सदस्य होंगे इसका पता आगामी 10 मार्च को ही चल सकेगा। मतगणना से पूर्व तो सभी दल और नेता अपनी-अपनी जीत का दावा करते ही हैं। वर्तमान विधानसभा चुनाव में जनता ने किन मुद्दों को प्राथमिकता दी है परिणाम भी उस पर ही आधारित होगा। 2017 के विधानसभा चुनाव में जनता ने एक बंपर बहुमत भाजपा को देकर 70 में से 57 सीट पर जीत के साथ सत्ता में आने का अवसर दिया था लेकिन बंपर बहुमत वाली इस भाजपा ने जनता की अपेक्षानुरूप काम नहीं किया जिसके कारण उसे ऐन चुनाव से पूर्व बार-बार मुख्यमंत्री बदलने पड़े और नरेंद्र मोदी के चेहरे और केंद्रीय योजनाओं के सहारे चुनाव मैदान में उतरना पड़ा। अगर वर्तमान चुनाव में जनता ने राज्य सरकार के काम पर वोट किया है तो भाजपा का सत्ता से बाहर हो जाना तय है और अगर 2017 की तरह उसने मोदी के नाम और केंद्र सरकार के काम पर वोट किया है तो उसे सत्ता में आने से कोई नहीं रोक पाएगा। ठीक वैसे ही अगर जनता ने राज्य सरकार के काम और बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट किया है तो कांग्रेस का पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आना तय है। चुनावी मुद्दों का सीधा गणित तो यही है। लेकिन इस गणित के अन्य कई ऐसे फैक्टर भी हैं जो चुनाव परिणाम को चौंकाने वाला बना सकते हैं। इसमें सबसे अधिक प्रभावी पहलू है आम आदमी पार्टी की दस्तक। राज्य के लोगों के सामने आप ने एक तीसरा मजबूत विकल्प पेश किया है भले ही चुनाव पूर्व के अनुमान यही हैं कि उसे कुछ खास हासिल होने वाला नहीं है लेकिन उसकी सभी 70 सीटों पर उपस्थिति और उसके प्रत्याशियों को मिलने वाला समर्थन अनेक सीटों पर चुनाव परिणाम में परिवर्तनकारी सिद्ध होंगे इसकी संभावना से कोई भी इन्कार नहीं कर सकता है यही कारण है कि इसे लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आशंकित हैं आप की उपस्थिति किस पर भारी पड़ेगी इसका पता भी 10 मार्च को ही चल सकेगा। वर्तमान चुनाव का एक अन्य तीसरा और अहम पहलू है चुनाव से पूर्व हुए दलबदल और टिकटों का बंटवारा, जिसे लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल असहज रहे हैं। बगावत और भितरघात 2022 के इस चुनाव में क्या गुल खिलाएगी? इसे लेकर भी प्रमुख प्रतिद्वंदी दल भाजपा व कांग्रेस दोनों ही डरे सहमे हैं इस फैक्टर को लेकर भाजपा सर्वाधिक प्रभावित हो सकती है क्योंकि उसके आठ बागी प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव मैदान में थे जो भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। जहां तक 2022 के लिए हुए इस मतदान के प्रतिशत की बात है तो उसे औसत मतदान ही कहा जा सकता है जो विगत 2 विधानसभा चुनाव के जैसा ही है लेकिन मतदाताओं का उत्साह जरूर अलग हटकर रहा है यह उत्साह सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में था या परिवर्तन की उम्मीद का था इस बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है लेकिन वर्तमान चुनाव में कांटे की टक्कर रही और चुनाव परिणाम भी धड़कने बढ़ाने वाले या चौंकानेवाले रह सकते हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। संतोषजनक यह है कि चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। जीत हार किसकी होगी इसके लिए अब दिल थाम कर 10 मार्च तक इंतजार कीजिए।

दूतावास ने भारतीय छात्रों को अस्थायी तौर पर यूक्रेन छोड़ने को कहा!

कीव। यूक्रेन-रूस विवाद ने सारी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने आशंका जताई है कि रूस १६ फरवरी को आक्रमण कर सकता है। इसे देखते हुए यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय छात्रों को यहां से चले जाने को कहा है। दूतावास की ओर से १५ फरवरी को जारी एडवायजरी में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए उन भारतीय छात्रों को अस्थायी तौर पर यूक्रेन छोड़ने को कहा गया है, जिनका यहां रहना आवश्यक नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में आशंका जताई कि रूस १६ फरवरी को आक्रमण कर सकता है। जेलेंस्की ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्हें बताया गया है कि १६ फरवरी हमले का दिन है। यूक्रेन इस दिन एकता दिवस मनाएगा। इससे जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति, जो बाइडेन युद्ध की आशंका के मद्देनजर अमेरिकियों को यूक्रेन छोड़ने की सलाह पहले ही दे चुके थे और अब यूक्रेन से दूतावासभी खाली किए जा रहे हैं। यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालने के लिए करीब एक दर्जन देशों ने आह्वान किया है। यूक्रेन छोड़ने का आह्वान करने वालों में संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, आयरलैंड, बेल्जियम, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, कनाडा, नॉर्वे, एस्टोनिया, लिथुआनिया, बुल्गारिया, स्लोवेनिया, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इज़राइल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

क्या पीएम ने मेरे साथ फिरोजपुर का बदला लिया: चन्नी

चंडीगढ़। एक न्यूज चैनल के मंच पर पंजाब कांग्रेस का चेहरा और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शिरकत की और कहा कि मेरे हेलिकॉप्टर को उड़ने की इजाजत नहीं देकर क्या पीएम मोदी ने मेरे साथ फिरोजपुर का बदला लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा के चलते सोमवार को चरणजीत सिंह चन्नी के हेलिकॉप्टर को उड़ने की इजाजत नहीं दी। इस पर चन्नी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री हैं, हम उनका सम्मान करते हैं। उन पर कोई आंच आए तो हमारी छाती पहले है। पंजाब ने बहुत कुर्बानी दी है। देश की रक्षा में अपना खून दिया है। अगर प्रधानमंत्री दोआबा में आ रहे हैं तो मुझे दोआबा में आने से रोक दिया गया। तो मैं तो बोलूंगा। पंजाबी देश के साथ खड़ा है। पंजाबी को दबाया नहीं जा सकता है। मैं पंजाबियों के साथ रहूंगा।

सीएम चन्नी ने कहा कि कोई भी ताज हो, उसमें परेशानियां, मेहनत, लगन और ईमानदारी तो होनी ही चाहिए। कांग्रेस पार्टी के लिए गोलकीपर कहने पर सीएम चन्नी ने कहा कि तीन बार मैंने गोल्ड मेडल जीता है। तो हम गोल करना भी जानते हैं और रोकना भी जानते हैं।

चन्नी ने कहा कि मैंने कभी किसी को अपने नहीं कहा और न मेरी पार्टी में किसी से लड़ाई है। इस बार मेरा भी नाम था, इसलिए मैंने कहा था कि पार्टी जिसका नाम लेगी, मैं उसके साथ हूं। सिद्धू साहब ने भी यही कहा था।

आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि ये एक लुटेरे का ग्रुप है और इसका हेड है अरविंद केजरीवाल। वो झूठ बहुत बोलते हैं। अब वो बोलते हैं कि मेरे पास १७० करोड़ की प्रॉपर्टी है। मैं कहता हूं उनसे कि मेरी प्रॉपर्टी ले लो और अपनी दे दो। २००२ से मैंने प्रॉपर्टी का काम किया था, १० एकड़ जमीन बना ली थी। तीन चुनाव लड़े हैं मैंने और हर चुनाव में बेचनी पड़ी है। अब मेरे पास जमीन नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पास प्रॉपर्टी कम हुई है।

सीएम चन्नी ने कहा कि १००-१०० आदमी मेरी सिक्योरिटी पर लगाया है। जो गाड़ियां काफिले में है, वो कैप्टन और बादलों ने खरीदी थीं। मेरी किसी से दुश्मनी नहीं है। सिद्धू पर चन्नी ने कहा कि वो हमारे साथ हैं और कल भी वो राहुल गांधी के मंच पर बोले हैं। आज भी जाएंगे और कल भी जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिद्धू मेरा भाई है। सिद्धू मेरे से बड़ा है। वो मेरी पार्टी का प्रधान है।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को अश्लील वीडियो भेजने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश में राजधानी भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को फोन पर अश्लील वीडियो भेजने वाले २ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी रिश्ते में सगे भाई हैं और मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर जिले के निवासी हैं। आरोपियों के नाम रवीन खान और वारिस खान है।

६ फरवरी को सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की तरफ से भोपाल के टीटी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि देर रात उन्हें दो अज्ञात नंबरों से अश्लील वीडियो और मैसेज आ रहे हैं। शिकायत में बताया गया था कि कॉल पर एक लड़की कपड़े उतार रही थी, जिसके बाद उन्हें इसका स्क्रीनशॉट वायरल करने की धमकी दी गई थी।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्राइम ब्रांच इसकी तफ्तीश में जुट गई। मामले की तफ्तीश के दौरान जब मोबाइल नंबरों को ट्रेस किया गया तो दोनों नंबर राजस्थान जिले के भरतपुर के निकले। शुरुआती, पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि वह काफी समय से इस तरह की हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। आरोपी एक बार भोपाल पहुंच जाएं फिर उनसे और पूछताछ की जाएगी, जिससे पता चल सके कि उन्होंने अब तक किन-किन लोगों को इस तरह के फोन कॉल किए हैं और क्या इनमें अन्य नेता भी इनके निशाने पर रहे हैं?

त्वं रथं प्र भरो योधमृष्वमावो युध्यन्तं वृषभं दशद्युम।
त्वं तुग्रं वेतसवे सचाहन्त्वं तुजिं गृणन्तमिन्द्र तूतोः।।

(ऋग्वेद ६-२६-४)

हे परमेश्वर ! आपने जीवन के संघर्ष के लिए एक महान शरीर रथ हमें प्रदान किया है। जो दस इंद्रियों से शोभित है। इस जीवन के संग्राम में जो दृढ़ रहकर संघर्ष करते हैं उसकी आप रक्षा करते हैं। आप अहंकार और हिंसा को दूर करते हैं और उपासक को प्रोत्साहित करते हैं।

O God ! You have given us a great chariot in the form of the body for the struggle of life. One who is adorned with the ten Indriyan. You protect those who fight resolutely in the battle of this life. You remove arrogance and violence and encourage the worshipper.

(Rig Veda 6-26-4)

गुजरात पुलिस का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 4 पुलिसकर्मियों सहित 5 की मौत

जयपुर। गुजरात पुलिस का वाहन राजस्थान में हादसे का शिकार हो गया है। इसमें ५ लोगों की मौत हो गई है। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट कर मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। ये हादसा तब हुआ जब गुजरात पुलिस एक अभियुक्त को दिल्ली से गुजरात ले जा रही थी। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, दिल्ली से गुजरात अभियुक्त लेकर जा रही गुजरात पुलिस का वाहन जयपुर के भाबरू क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त होने से ४ पुलिसकर्मियों सहित ५ लोगों की मृत्यु की जानकारी दुखद है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, ईश्वर उन्हें सम्बल दें एवं दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करें। वही दूसरी ओर मंगलवार सुबह रायगढ़ के खोपोली में मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे के किनारे एक तेज रफ्तार ट्रक के नियंत्रण खो देने और धीमी गति से यातायात में फंसे कई वाहनों से टकरा जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में कुल सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और तीन को मामूली चोटें आई हैं। एक्सप्रेसवे पुलिस ने कहा, हादसा खोपोली, रायगढ़ में पुणे एक्सप्रेसवे पर आज सुबह ६रू३० बजे हुआ जिसमें ७ लोग घायल हो गए, जिनमें से ४ लोगों को अस्पताल में भेज दिया गया।

प्रेक्षक ने नए मतदाताओं के साथ खिंचवाई सेल्फी

पौड़ी (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव के तहत सोमवार को आयोजित मतदान प्रक्रिया का सामान्य प्रेक्षक डा. पार्थ सारथी मिश्रा ने जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कई मतदान केंद्रों का जायजा लिया। सोमवार को सामान्य प्रेक्षक ने आदर्श बूथ सेंट थॉमस स्कूल, मैसमार इन्टर कॉलेज, विकासखण्ड कार्यालय, जिला परिषद हॉल, जिला परिषद कार्यालय, डीएवी इंटर कॉलेज, अपर कृषि निदेशालय, उप निदेशक खाद्य एवं प्रसंसकरण कार्यालय, राइंका पौड़ी, कार्यालय अपर निदेशक प्रा. शिक्षा, पब्लिक स्कूल सखी बूथ में जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आदर्श बूथ में नए मतदाताओं से मिलकर उनके साथ सेल्फी ली। कहा कि सभी को मतदान के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभान चाहिए। कहा कि सभी को बेहतर कल के लिए मतदान में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं कई विशेष सुविधायें उपलब्ध कराई है, जिसमें दिव्यांग व वृद्व मतदाताओं के लिए रैंप, वैसाखी, वील चियर, पृथक साफ–सुथरे शौचालय, मतदान हेतु पृथक लाइन आदि की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त सखी बूथ, आदर्श बूथ आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इस दौरान नए व युवा मतदाता प्रेक्षक को अपने बीच पाकर उत्साहित नजर आए व उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के उत्साह को देखकर अच्छा लग रहा है, विशेषकर नये व युवा मतदाता जिस तरह पहली बार कतारों में शामिल होकर मतदान करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहें है, यह लोकतंत्र की सुन्दर तस्वीर को दर्शा रहा है। कहा कि निश्चित ही पहाड़ का युवा जागरूक मतदाता का फर्ज निभा रहा है।

डाक मत पत्र की सुविधा न मिलने से बुजुर्ग रहे परेशान

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। निर्वाचन आयोग की ओर से ८० वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए डाक मत पत्र की सुविधा जारी की गई थी, किंतु श्रीनगर शहर में कई स्थानों पर बुजुर्ग और बीमार लोगों को डाक मत पत्र की सुविधा न मिलने से उन्हें पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए खासी मशक्कत और परेशानियां उठानी पड़ी। घसिया महादेव निवासी भागीरथी देवी को डाक मत पत्र के जरिए वोट डालने का पत्र मिला था, किंतु संबंधित बीएलओ डाक मत पत्र संबंधी आवेदन पत्र लेने ही नहीं पहुंचे। इसी तरह कई स्थानों पर इस तरह की अनदेखी होने से बुजुर्ग लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ी। जबकि इस बार पोलिंग बूथ में वोटरों के नाम अलग पोलिंग बूथ पर दर्शाए गए। इससे भी वोटरों को दिक्कतें उठानी पड़ी। नगर क्षेत्र के बुजुर्ग जहूर मियां पिछले एक–दो सालों से बीमार चल रहे है। जिन्हें उनके बच्चे किसी तरह से पोलिंग बूथ तक वोट डालने के लिए पहुंचे।

पोलिंग बूथों पर हुआ कोविड नियमों का कड़ाई से पालन

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। रुद्रप्रयाग जिले में मतदान को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपंन कराने के लिए सभी पोलिंग बूथों पर कोविड नियमों का कड़ाई से पालन किया गया। एक ओर पहली बार गलब्स पहनकर मतदाताओं ने वोट दिए। वहीं बिना मास्क पहने मतदाताओं को एनएसएस के छात्र–छात्राओं ने मास्क वितरित किए। गलब्स और सेनेटाइज की भी पूरी व्यवस्था की गई। पीठासीन अधिकारी और अन्य सहयोगी भी पीपीई किट में तैनात रहे। डीएम मनुज गोयल स्वयं पोलिंग बूथों पर कोरोना गाइडलाइन का पालन कराते दिखे। जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल ३६१ पोलिंग बूथों पर कोरोना से बचाव के पूरे इंतेजाम किए गए। सुरक्षा कर्मी से लेकर ड्यूटी दे रहे सभी अधिकारी कर्मचारी मास्क में रहे। जबकि बूथ के प्रवेश द्वार पर एनएसएस के छात्र–छात्राओं द्वारा करोनो के प्रति जागरूक किया जा रहा था। मतदाताओं को सेनेटाइजर और मास्क का उपयोग करवाया गया जबकि वोट देने के लिए भी हर मतदाता को गलब्स दिए गए। सभी पोलिंग बूथों पर कोरोना के पूरे इंतजाम किए गए। जिलाधिकारी मनुज गोयल स्वयं पोलिंग बूथों पर कोरोना गाइडलाइन का भी पालन कराते दिखे।

हरिद्वार का अधिकारी दिल्ली में सम्मानित

हरिद्वार (आरएनएस)। कनखल थाने के तहत ग्राम पंजनहेडी निवासी और वर्तमान में राजस्थान में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के २०१५ बैंच के अधिकारी अभिनव सिंह को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें यह पुरस्कार रक्षा भूमि सर्वेक्षण और छावनी के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। भारतीय रक्षा संपदा सेवा पर देश में स्थित लाखों एकड़ रक्षा भूमि और ६२ कैन्ट क्षैत्र जैसे रूडकी, देहरादून, मेरठ कैन्ट आदि की जिम्मेदारी रहती है। अभिनव सिंह यूपीएससी द्वारा आईएएस, आईपीएस सेवाओं के लिए आयोजित की जाने वाली सिविल सर्विसेज परीक्षा में चयनित हुए थे। उनकी शिक्षा इंटर तक हरिद्वार में ही हुई। तत्पश्चात उन्होंने पतंनगर विश्वविधालय से बीटेक की ओर देश के अग्रिणी प्रबंधन संस्थान नीटी मुंबई से एमबीए की शिक्षा प्राप्त की थी। उनके दादा श्याम सिंह चौहान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में डीन और प्रोफेसर थे। उन्होंने मनोविज्ञान विषय पर अनेक पुस्तकें लिखी। उनके माता पिता भी गांव के जूनियर हाई स्कूल में शिक्षक थे।

क्या शराबी और टिड्डी पकड़ने के लिए हैं शिक्षक?

नरपतदान बारहठ

पिछले दिनों बिहार के शिक्षा विभाग ने एक अजीबोगरीब फरमान निकाला। उसने कहा कि सभी शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षिकाओं और शिक्षा सेवियों को चोरी–छुपे शराब बेचने वालों, उसकी तस्करी करने वालों, अवैध शराब का निर्माण करने वालों और शराब पीने वालों की सूचना सरकार को देनी होगी। वहां के शिक्षक इस आदेश का विरोध कर रहे हैं।

पर यह महज बिहार की बात नहीं है। हर राज्य में शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य करवाए जाते हैं। अब यही देखिए कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं, लेकिन स्कूलों में एग्जाम्स का भी यही वक्त है। फिर भी इन राज्यों में शिक्षक चुनाव ड्यूटी में लगे हैं। यूपी में प्रशासन इनको च्यवनप्राश खिलाकर इनकी इम्युनिटी बढ़ा रहा है, लेकिन पठन–पाठन तंत्र की इम्युनिटी का क्या होगा, इसकी किसी को फिक्र नहीं है।

राजस्थान में जो हुआ, वह तो अनोखा ही है। अजमेर में पुष्कर है। वहां शिक्षकों से विश्वविख्यात वन ब्रह्मा मंदिर के दान पात्रों में आए पैसे गिनवाने के आदेश दिए गए थे, जिसे भारी विरोध के बाद शिक्षा मंत्री ने वापस लिया। वहीं पिछले साल गुजरात के सूरत में नगर निगम ने श्मशान में शिक्षकों की तैनाती कर दी थी कि वे श्मशान में शवों की जानकारी को रजिस्टर में दर्ज करेंगे। ध्यान रहे, यह अकेले सूरत का नहीं, कई राज्यों का पिछले साल का सूरत–ए–हाल है, जहां शिक्षकों को श्मशान में खड़ा किया गया।

ऐसे सैकड़ों काम हैं जो शिक्षकों से करवाए जा रहे हैं। इन कार्यों का उनके मूल काम से कोई लेना–देना नहीं है। ऐसे में टीचर्स पर इसका बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, पढ़ने–पढ़ाने पर भी ब्रेक लग जाता है। अब जैसे इसी मामले में देखिए– पिछले साल जब टिड्डियों ने हमला किया तो गुजरात के बनासकांठा जिले के विकास अधिकारी ने आदेश दिया कि शिक्षकों को ढोल–नगाड़े के साथ टिड्डियों को खेतों से निकालने का काम करना होगा। कोई बताए कि क्या टीचर्स टिड्डी भगाने के लिए रह गए हैं?

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों से खाद बेचने को कहा जा रहा है तो बिहार में राशन बांटने को। गैर सरकारी संगठन चाइल्ड राइट्स ऑब्जरवेट्री ने इस विषय पर मध्य प्रदेश के 14 जिलों के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में एक अध्ययन किया। पता चला कि 32 प्रतिशत से ज्यादा शिक्षकों से सरकार ने 1 से 2 माह की अवधि तक चाहे जो भी कराया, बस बच्चों को पढ़ाने नहीं दिया।

हर विभाग अपनी जिम्मेदारी शिक्षकों पर ही थोप रहा है। स्कूल में बच्चों को आयरन, फोलिक एसिड और कीड़े की दवा खिलाना हेल्थ डिपार्टमेंट का काम है, मगर ये काम देश भर में शिक्षक कर रहे हैं। सेनेटरी नैपकिन एएनएम या आशा कार्यकर्ताओं का काम है, लेकिन बांट रहे हैं शिक्षक। और तो और, आपको याद होगी खुले में शौच की वायरल विडियोज! बिहार में सुबह खुले में शौच करने वाले लोगों की निगरानी के लिए शिक्षकों को लगा दिया गया था। शिक्षा विभाग के 2017 के सर्कुलर के अनुसार सरकारी शिक्षकों को लोटे की भी निगरानी करनी थी।

'इन्वॉल्वमेंट ऑफ टीचर्स इन नॉन–टीचिंग एक्टिविटीज एंड इट्स इफेक्ट ऑन एजुकेशन' नाम की एक देशव्यापी रिपोर्ट बताती है कि शिक्षक अपना सिर्फ 19.1 प्रतिशत समय ही पढ़ाई में लगाते हैं। इनका 42.6 प्रतिशत समय गैरविभागीय गैर–शैक्षणिक गतिविधियों में जाता है, जिसका बच्चों की पढ़ाई से कोई मतलब नहीं। इस रिपोर्ट के मुताबिक शिक्षकों का 31.8 प्रतिशत समय स्कूल की गैर–शैक्षणिक गतिविधियों में तथा 6.5 प्रतिशत समय विभाग की दूसरी गतिविधियों में लगता है। झारखंड में 24 तरीके के काम हैं, मसलन– जानवर गिनना, चावल बांटना, नवजात बच्चे गिनना, साइकिल बांटना, बैंक में अकाउंट खुलवाना, स्कूल और टॉयलेट की सफाई करना आदि जो शिक्षकों के नहीं हैं, मगर शिक्षक कर रहे हैं।

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि देश में शिक्षकों की संख्या बहुत कम है। ऐसा कोई भी राज्य नहीं, जिसे आज की तारीख में बीस हजार से कम शिक्षकों की जरूरत हो। ऐसे में अगर शिक्षकों से पढ़ाने की जगह दूसरे काम करवाए जा रहे हैं, तो कहा जा सकता है कि यह फ्री शिक्षा के पूरे सिस्टम को ही ध्वस्त करने की कवायद है।

जाखन देवी क्षेत्र में ठप रहीं पानी की आपूर्ति

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा में सोमवार को जाखनदेवी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित रहीं। जिस कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पेयजल के लिए लोग नौलों के भरोसे रहे। जानकारी अनुसार सोमवार को मटेला पंप हाउस में दिक्कत के चलते कुछ समय के लिए पपिंग बंद हो गई। जिस कारण एडम्स टैंक में पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। पर्याप्त मात्रा में पानी एकत्र नहीं होने टैंक से जुड़े क्षेत्र जाखनदेवी समेत आस–पास के मोहल्लों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। अवर अभियंता विजय बलवंत ने बताया कि लाइन में फाल्ट और गंदे पानी की शिकायत के चलते पानी की आपूर्ति बहाल नहीं कि गई। आज यानी मंगलवार को पानी की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

पर्वतीय रूटों पर ठप रहीं बस सेवाएं, यात्री हुए परेशान

ऋषिकेश (आरएनएस)। आधा दर्जन से अधिक पर्वतीय रूटों पर तीसरे दिन सोमवार को भी परिवहन सेवाएं गड़बड़ाईं रहीं। बसें नहीं मिलने से यात्री परेशान रहे। चुनाव में लगी बसों के मंगलवार से लौटने की उम्मीद है। इसके बाद बुधवार से स्थिति सामान्य होने का अनुमान है। विभिन्न कंपनियों की साढ़े चार सौ बसें चुनाव ड्यूटी में भेजी गई हैं।

चुनाव के चलते पर्वतीय रूट की परिवहन सेवाएं पटरी पर नहीं लौट पाई हैं। सोमवार को प्रतापनगर रूट की ६, घुत्तू की ५, बूढ़ाकेदार की ४, तिलवाड़ा की ६, गूलर दोगी क्षेत्र की ६, नागेश्वर तोड़ पर प्रतिदिन संचालित होने वाली ४ बस सेवाएं नहीं चलीं। इसके अलावा उत्तरकाशी, टिहरी, श्रीनगर, जोशीमठ, देवप्रयाग, यमकेश्वर, रूद्रप्रयाग, गोपेश्वर, पौड़ी, कोटद्वार सहित कई रूटों पर बसों का टोटा रहा। प्रत्येक रूटों पर प्रतिदिन आधा दर्जन से अधिक बसें संचालित होती हैं, लेकिन इन रूटों पर कुछ बसें ही चल पा रही हैं। इससे पहाड़ आने जाने वाले यात्रियों को दिक्कतें उठानी पड़ रही है। हररोज १५० बसें रोटेशन से विभिन्न रूटों के लिये संचालित होती हैं। जबकि, इन दिनों पर डाक व विश्वनाथ सेवा की मात्र ४० बसें ही चल रही हैं।

यातायात संघ अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने बताया कि प्रशासन ने साढ़े चार सौ बसें अधिगृहीत की है। पहाड़ के विभिन्न रूटों पर चलने वाली सेवाएं प्रभावित होने से यात्रियों को बुधवार तक दिक्कतें उठानी होंगी। वहीं, एआरटीओ अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि मंगलवार शाम से बसों के लौटने का सिलसिला शुरू हो जायेगा। इसके बाद पर्वतीय रूटों पर सेवाएं सामान्य हो जाएंगी।

अब किसकी जीत किसकी हार पर चर्चाए

संवाददाता

देहरादून। मतदान समाप्ति के बाद गली मौहल्लों में किसकी जीत होगी और किसकी हार इस बारे में चर्चाएं गर्म हैं और सभी एक दूसरे से इस बारे में जानकारी लेता दिखायी दे रहा है।

उत्तराखण्ड चुनाव की घोषणा के बाद से प्रदेश में चुनावी गर्मा–गर्मी शुरू हो गयी थी। जैसे–जैसे मतदान का समय नजदीक आता जा रहा था राजनैतिक दलों के साथ ही जनता में भी मतदान के लिए उत्सुकता बडती जा रही थी। अब गत दिवस मतदान शांतपूर्वक सम्पन्न हो गया। मतदान समाप्ति के बाद सभी दलों के नेता व कार्यकर्ता अपने–अपने घरों को चल दिये। आज प्रातः से ही एक नयी चर्चा शुरू हो गयी है। अब लोगों में दस मार्च इंतजार हो रहा है कि मतदान किसी पक्ष में जायेगा। यही नहीं अब लोगों को चर्चा का नया विषय मिल गया हैं। सुबह से ही लोग एक दूसरे से यही पूछते दिखायी दे रहे हैं कि मतदान कितना हुआ है तथा यह किसके पक्ष में जायेगा। यही नहीं मतदान से पहले तक एक दूसरे को अपना प्रतिद्वन्दी समझने वाले गली मौहल्ले के कार्यकर्ता अब एक दूसरे के साथ बैठकर इस विषय पर चर्चा करते दिखायी दे रहे हैं। यहां पर सभी की नजरें मलिन बस्तियों के मतदाता पर टिकी हुई हैं कि मलिन बस्तियों में किस दल की अधिक पकड है यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस प्रत्याशी की पकड मलिन बस्तियों में अधिक होगी उसका मत प्रतिशत बढता दिखायी दे रहा है। अब सभी की निगाह दस मार्च पर है तथा इस दौरान यही चर्चा बनी रहेगी कि किसी जीत होगी और किसकी हार? दस मार्च तक हर कोई अपना गणित बैठाता दिखायी देगा।

वफादारी के ढोल की खुली पोल

सहीराम

चुनाव के वक्त का माहौल वास्तव में बड़ा ही दार्शनिक किस्म का होता है जी। खासतौर से नेताओं के साथ तो ऐसा होता है कि वे आज जहां हैं, वहां कल होंगे या नहीं होंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता। कल वे कहां होंगे, उन्हें खुद भी यह पता नहीं होता। निकले थे कहां के लिए और पहुंचे हैं कहां टाइप का माहौल दूसरे किसी भी वक्त नहीं होता। चुनाव के वक्त माहौल में कभी जीवन का आनंद दिखाई देता है, खासतौर से जब धर्म और जात के नारे लगते हैं, दारू बंटती है, पैसे बंटते हैं, तब तो अवश्य ही दिखाई देता है। लेकिन फिर कई बार जीवन की निस्सारता भी दिखाई देने लगती है, जब नेता की भेंट नहीं पहुंच पाती। इस दौरान क्या नेता और क्या वोटर सभी कभी बंधन मुक्त नजर आते हैं, लेकिन कभी ऐसे बंधनों में बंधे भी नजर आते हैं, जो लगता है कि कभी टूट नहीं पाएंगे। अचानक एक दिन सारी दुनिया को पता चलता है कि एक नेता जो अपनी पार्टी में खूब खुश नजर आ रहा था, वहां अपनी हेकड़ी दिखाता था, ऐंठ में रहता था, वह तो वास्तव में वहां घुटा हुआ था और अब वहां से निकलकर वह खुली हवा में सांस ले रहा है। इस लिहाज से देखा जाए तो पार्टियां भी जेल जैसी ही होती हैं और चुनाव आते हैं तो नेता को लगता है कि अब वह आजाद है।

पता चलता है कि एक नेता जो अभी तक जिस पार्टी में, उसके नेताओं में अपनी आस्था दिखाता था, वफादारी की कसमें खाता था, वह तो वक्त आने पर अपनी पार्टी में भितरघात करने के लिए, अपने नेताओं की पीठ में छुरा घोंपने के लिए तैयार बैठा था। जरूरी नहीं कि हमेशा मुंह में राम और बगल में छुरी रहे। मुंह में वफादारी की दास्तानें और बगल में छुरी भी हो सकती है। यही वक्त होता है जब नेता यह साबित करते हैं कि घर के भेदी विभीषण अभी भी होते हैं। जयचंद और मीर कासिम अभी भी प्रासंगिक बने हुए हैं। नेताओं में कशमकश ऐसी चलती है जिसे चचा गालिब ने कुछ इस तरह से फरमाया है कि कुफ्र खींचे है मुझे, रोके है मुझे इमां। हालांकि वह जो नेता है, जिसे दूसरी पार्टी वाले अपनी पार्टी में खींच ले गए हैं, उसे कुफ्र की तरह किसी मुकदमे ने, उसकी चोरी चकारी की किसी फाइल ने ही खींचा होगा। हालांकि चुनाव जीतने का मोह भी खींच कर ले जा सकता है और मंत्री बनने का लालच भी। लेकिन ईमान उसे उस तरह से रोक नहीं पाता है, जैसे चचा गालिब को रोक लेता था। तब ईमां होता होगा। अब ईमानदारी का सिर्फ ढोल होता है और ढोल में तो पोल होती ही है। अब तो कुटिलता है, भितरघात है, विश्वासघात है। एक दार्शनिक माहौल में इन फितरतों का होना इस बात का सबूत है कि एकदम दुनियादार भी हैं। लेकिन क्या दुनिया में ईमानदारी, वफादारी होती ही नहीं है। चुनाव के वक्त तो नहीं।

कोरोना काल की शैक्षिक उदारता

प्रदीप कुमार राय

परीक्षा में फेल होना क्या होता है? दो रोज पहले टीवी पर एक खबर देखकर मुन्ना ने अपनी मम्मी से यह सवाल पूछा। मुन्ना बोला, 'टीवी पर दिखा रहे थे कि अब पांचवीं और आठवीं के बच्चे फेल भी हो सकते हैं... सरकार ने कहा है।' मम्मी ने तुरंत इंटरनेट खंगाला और देखा कि हां, सरकार ने कह दिया है कि बिल्कुल खराब प्रदर्शन करने पर पांचवीं और आठवीं में बच्चे फेल भी हो सकते हैं।

मम्मी झुंझलाई–'इतना बड़ा हो गया है और परीक्षा में फेल होने का मतलब नहीं जानता।' मुन्ना बोला, 'मम्मी एग्जाम में फेल होने की बात न तो कभी स्कूल में सुनी न आपके मुंह से... फिर पता कैसे चलता?' मम्मी बोली, 'वाकई मुन्ना तो उस पीढ़ी का है, जिसमें परीक्षा में फेल होता ही कौन है? 'सब गारंटीशुदा पास' की पीढ़ी के बच्चे हैं यह तो, इनको फेल होने का क्या पता?'

मम्मी ने मुन्ना को समझाया कि किसी जमाने में किस तरह 33 प्रतिशत से भी कम अंक लेने पर कोई परीक्षा में फेल होता था। मुन्ना बोला, 'मम्मी ऐसा तो अब फिर कभी हो ही नहीं सकता क्योंकि हमारे सारे स्कूल में 7० प्रतिशत से नीचे किसी के अंक आते ही नहीं और ऑनलाइन के बाद तो 9० प्रतिशत से ज्यादा ही आते हैं।' मुन्ना बोला, 'मम्मी मैंने तो सुना है कि बड़ी कक्षाओं में, जिनकी कई साल से अटकी रिअपियर वगैरह थीं... उन्होंने ऑनलाइन एग्जाम में 9० प्रतिशत अंक लेकर पास कर दी। यानी अब नई पीढ़ी को रिअपियर का भी डर नहीं।'

मम्मी ने मुन्ना को बताया कि कैसे उनके जमाने में बच्चे स्कूल में किसी भी क्लास में फेल होते थे। पास होने की गारंटी पहली कक्षा में भी नहीं थी। मम्मी मुन्ना को तो बताए न, लेकिन याद करके उसकी आंख भर आई कि जब वह पांचवीं में थी तो सारे गांव में एक बच्चा पास हुआ था और मम्मी खुद बुरी तरह फेल हुई थी।

मुन्ना बोला, 'मम्मी उस जमाने में बच्चों में ज्यादा दिमाग नहीं होता होगा। आज की पीढ़ी बहुत होशियार हो गई... आज का कोई बच्चा आपके जमाने की तरह इतने कम अंक लेता ही नहीं। और कोरोना के दौरान ऑनलाइन परीक्षा में इस जमाने के बच्चों ने अपनी वह काबिलियत दिखाई कि क्या टीचर... क्या सरकार... सब हैरान रह गए।

मम्मी सोचने लगी कि हे रब्बा! सरकार ने भी किस पीढ़ी के आगे फेल होने की बात छेड़ दी, जिन्होंने फेल होने और कोरोना काल में 9० प्रतिशत से कम अंक आने के खिलाफ स्टे ले ली है। कहीं ऑनलाइन परीक्षाएं हटाने के खिलाफ ही स्टे न ले बैठें क्योंकि अब 9० प्रतिशत अंक इनका अधिकार है।

एलोवेरा को अपने आहार में शामिल करने के हैं फायदे

एलोवेरा के पौधे कई घरों के गार्डन में मिल जा सकते हैं, क्योंकि ये पौधा आसानी से और जल्दी बढ़ता है. इसे कम से कम देखभाल की आवश्यकता होती है. बहुत से लोग केवल एलोवेरा और इसके प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हेल्दी त्वचा और बालों के लिए करते हैं. इसका इस्तेमाल अक्सर खाने-पीने की चीजों में भी किया जाता है. आप अपने आहार में एलोवेरा को कैसे शामिल कर सकते हैं और इसके फायदे क्या हैं आइए जानें.

एलोवेरा में कई एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, क्योंकि इसमें प्लांट कंपाउंड पॉलीफेनोल्स अधिक मात्रा में होता है. एलोवेरा का सेवन त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है. ये पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है. ये आंत में अच्छे बैक्टीरिया के स्तर को बढ़ाता है.

अध्ययनों के अनुसार एलोवेरा इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाकर टाइप -2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों की मदद कर सकता है. ये ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है.

एलोवेरा का सेवन करने से भी व्यक्ति को अपना वजन कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. जेल को डिटॉक्सिफाइंग, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है. ये इम्युनिटी और पाचन को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है. इससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है.

एलोवेरा का सेवन करने का सबसे आसान तरीका इसका जूस है. अपने एलो लीफ को छोटे-छोटे हिस्सों में काटें, पत्ती की ऊपरी हरी परत को हटा दें और फिर जेल को बाहर निकाल लें. जेल को धो लें और इसे नारियल पानी/सादा पानी और थोड़े से शहद के साथ फूड प्रोसेसर में डालें और ब्लेंड करें. आप मिश्रण में सेब या खीरे के जूस सहित अपने पसंदीदा जूस मिला सकते हैं. एलोवेरा के पत्तों को धोकर इन्हें काट लें और इसका सेवन सलाद के रूप में करें. एलोवेरा का इस्तेमाल जलन को शांत करने के लिए किया जाता है. पतले जेल को एक आइस-क्यूब ट्रे में डाला जा सकता है और इसे फ्रिज किया जा सकता है. इसे राहत के लिए प्रभावित जगहों पर लगाया जा सकता है. इन क्यूब्स को स्मूदी में भी इस्तेमाल कर सकते हैं. फ्रूट स्मूदी बनाते समय अपने ब्लेंडर में इनमें से कुछ एलो जेल क्यूब्स डालें और ब्लेंड करें.

ज्वैलरी पहनते समय भूल से भी न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है लुक

स्टाइलिश दिखने के लिए सिर्फ फैशनेबल कपड़े पहनना ही काफी नहीं बल्कि उनके साथ सही ढंग से ज्वैलरी पहनना भी जरूरी है। आमतौर पर यह देखने में आता है कि कुछ महिलाएं अपने आउटफिट के साथ ज्वैलरी पहन तो लेती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें मनचाह लुक नहीं मिलता। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो इसके पीछे कारण ज्वैलरी पहनते समय की जाने वाली आपकी कुछ गलतियां हो सकती हैं। आइए ऐसी कुछ गलतियों के बारे में जानें।

हर दिन एक ही ज्वैलरी पहनना

ज्यादातर महिलाएं इस गलती को दोहराती हैं। दरअसल, हमें कोई ईयररिंग या पेंडेंट इतना अच्छा लगता है कि हम उसे हर रोज पहनना पसंद करते हैं। वैसे हर दिन एक ही ज्वैलरी पहनना गलत नहीं है क्योंकि इससे आपका लुक बोरिंग लगने लगता है और उसमें कोई नयापन नहीं आता। वहीं, हर दिन एक तरह की ज्वैलरी पहनने से वह धीरे-धीरे फेड नजर आने लगती है, जिससे आपका लुक भी डल नजर आता है, इसलिए हमेशा बदलकर ज्वैलरी पहनें।

फैशन ज्वैलरी का चयन सोच-समझकर न करना

हम जानते हैं कि किसी भी आउटफिट की स्टाइलिंग में फैशन ज्वैलरी एक अहम भूमिका अदा करती हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप हैवी ज्वैलरी कैरी करें। खासकर, ऑफिस आउटफिट के साथ क्योंकि इसकी वजह से आपका पूरा ऑफिस लुक खराब हो सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने किसी भी ऑफिस आउटफिट के साथ फैशन ज्वैलरी के तौर पर एक घड़ी, कानों में छोटे-छोटे स्टड्स और गले में एक पतली चैन पहनें।

अधिक ज्वैलरी पहनना भी है गलत

अगर महिलाएं चाहती हैं कि वह अपने हर लुक में खूबसूरत लगे तो उन्हें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि वे अधिक ज्वैलरी एक साथ न पहनें। उदाहरण के लिए, अगर वे हैवी नेकपीस पहन रही हैं या फिर नेकपीस की लेयरिंग कर रही हैं तो उसके साथ वे स्मॉल ईयररिंग्स ही पहनें। इसी तरह मांगटीका पहनने के साथ वे ईयररिंग्स पहन सकती हैं और नेकपीस को छोड़ दें।

गलत रंग की ज्वैलरी का चयन

जब भी आप अपने किसी आउटफिट के साथ ज्वैलरी पहनें तो आपको यह भी जरूर ध्यान रखना चाहिए कि वह आपके आउटफिट के साथ मैच करें।

शब्द सामर्थ्य -123

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

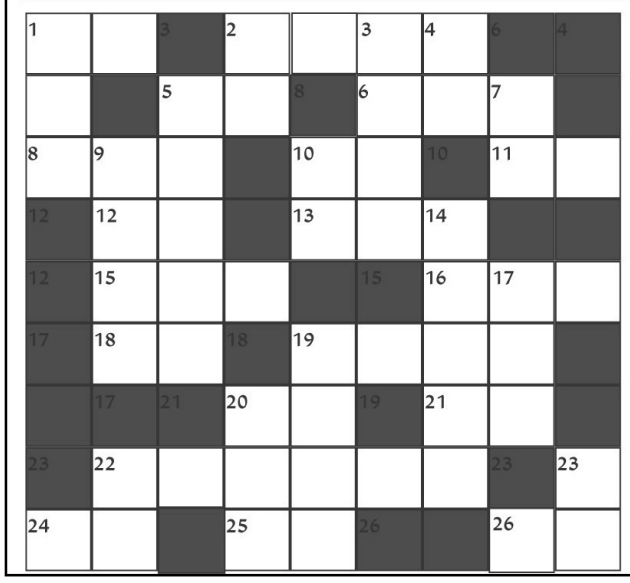

शब्द सामर्थ्य क्रमांक122 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

सबा आजाद क्या वाकई कर रही हैं रितिक रोशन को डेट ?

रितिक रोशन और सबा आजाद की डेटिंग की खबरें सुर्खियों में हैं। बीते दिनों दोनों को हाथ पकड़े रेस्ट्रॉन्ट से निकलते देखा गया था। इसके बाद उनके रिलेशनशिप के चर्चे शुरू हो गए। दोनों ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है। कुछ खबरों में दाबा किया गया है कि रितिक रोशन के लिए सबा वाकई दोस्त से ज्यादा हैं लेकिन वह अपनी पर्सनल लाइफ को छिपाकर रखना चाहते हैं।

रितिक रोशन अपनी वाइफ सुजैन से काफी समय पहले अलग हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुजैन अली गोनी के भाई अर्सलान गोनी के साथ डेट कर रही हैं। अब खबरें हैं कि रितिक की जिंदगी में भी कोई खास आ चुका है। ये खबरें तब शुरू हुईं जब रितिक को बीते दिनों एक मिस्ट्री गर्ल के साथ देखा गया। उस वक्त मास्क की वजह से लड़की की पहचान नहीं हो पाई थी। बाद में रिपोर्ट्स आईं कि वह सबा आजाद थी। अब बात करें सबा करें तो उनका असली नाम सबा सिंह ग्रेवाल है। प्रोफेशनली उन्हें सबा आजाद के नाम से जाना जाता है। सबा ऐक्टर, म्यूजिशियन और थिएटर डायरेक्टर हैं। सबा बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने दिल कबड्डी, मुझसे फ्रैंडशिप करोगे, नौटंकी साला जैसी फिल्मों में दिखाई दी हैं। इसके अलावा उन्होंने कैडबरी, मैगी, टाटा स्काई जैसी कई ऐड फिल्म में भी काम किया है। सबा ने रितिक के साथ किसी फिल्म में काम नहीं किया। वह उन्हें इंस्टाग्राम पर फॉलो भी नहीं कर रहे। हालांकि सुजैन खान सबा को फॉलो कर रही हैं। ऐसे में सबा का नाम रितिक से जुड़ना लोगों को चौंका रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रितिक ने कई महीनों से अपने रिलेशनशिप को छिपाकर रखा था। यहां तक कि जिन लोगों को पता था कि वह सबा को डेट कर रहे हैं, उन्हें सार्वजनिक जगह पर हाथ पकड़े देखकर हैरान थे। रिपोर्ट के मुताबिक, रितिक बीते महीने सबा के साथ कुछ वक्त गोवा में भी बिता चुके हैं। दोनों के बीच रिश्ता दोस्ती से ज्यादा है। बीते दिनों राकेश रोशन ने रितिक की फिर से शादी पर कहा था, मेरी इच्छा होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। जो होगा अच्छा होगा। बता दें कि रितिक और सबा की उम्र में काफी अंतर है। सबा 32 साल की हैं और रितिक 48 के। कई लोग यह भी कयास लगा रहे हैं कि साथ में उनका कोई प्रोजेक्ट आ सकता है। हालांकि ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि दोनों के बीच प्रोफेशनल के अलावा पर्सनल बॉन्डिंग भी है।

27 मई को रिलीज होगी अदिवि सेश की पेन इंडिया फिल्म मेजर

लंबे समय से दर्शक फिल्म मेजर का इंतजार कर रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण कई बार इसकी रिलीज डेट बदली जा चुकी है। इससे पहले खबर आई थी कि फिल्म 11 फरवरी को सिनेमाघरों में आएगी, लेकिन अब फिर इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म की राह बेसब्री से देख रहे दर्शक इस खबर से बेशक मायूस हो जाएंगे। शहीद संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित यह फिल्म पर्दे पर कब आएगी, आइए जानते हैं।

2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की कहानी दर्शकों के सामने आने वाली है। इसमें अभिनेता अदिवी शेष मेजर संदीप का किरदार निभा रहे हैं। कोरोना के चलते कई बार फिल्म की रिलीज को टाला जा चुका है। मेजर की नई रिलीज डेट की जानकारी अदिवी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 27 मई, 2022 को फिल्म मेजर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, मेजर का वादा है ये।

यह फिल्म पिछले साल 2 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना के कारण यह टल गई। फिर फिल्म को 2022 तक के लिए टाल दिया गया। फिर खबर आई कि मेजर 11 फरवरी, 2022 को दर्शकों के बीच आएगी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट फिर बदल गई है। अदिवी कहते हैं कि वह हमेशा से चाहते थे कि मेजर को एक ऐसी रिलीज मिले, जिससे वह इस हमले में अपनी जान गवां चुके लोगों को सम्मान मिले।

अदिवी शेष साउथ के चर्चित अभिनेता, निर्देशक और स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने 2010 में फिल्म करमा से बतौर एक्टर और डायरेक्टर अपना करियर शुरू किया था। वह कई सफल तेलुगु फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। वह फिल्म मेजर से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं।

फिल्म में अदिवी शेष के अलावा सई मांजरेकर, प्रकाश राज, रेवती, मुरली शर्मा और शोभिता धुलीपाल जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। शशि किरण टिक्का के निर्देशन में बनी यह एक्शन-ड्रामा फिल्म मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के सफर को दिखाती है, जिन्होंने मुंबई 2008 के आतंकवादी हमलों के दौरान लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान दे दी थी। इस फिल्म का निर्माण महेश बाबू ने किया है।

मेजर संदीप उन्नीकृष्णन एक बहादुर एनएसजी कमांडो थे, जिन्होंने कई बंधकों की जान बचाने के दौरान मुंबई के ताज होटल में हुए आतंकी हमले में अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने अकेले ही चार-चार आतंकवादियों को चित करते हुए शहादत दी थी। 1999 में आर्मी में भर्ती के कुछ समय बाद ही संदीप ने कारगिल युद्ध में जबरदस्त कौशल दिखाया था। इस फिल्म में उनकी लव स्टोरी को भी दिखाया जाएगा, जिससे कई लोग अनजान हैं।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं सुहाना खान

शाहरुख खान और गौरी खान की लाडली सुहाना खान को आप सभी जल्द फिल्मों में देखने वाले हैं। वैसे सुहाना के फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले ही जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। आज के समय में हर कोई सुहाना खान को पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। ऐसे में अब लग रहा है सभी का इंतज़ार खत्म होने वाला है। जी हाँ, अपनी पढ़ाई कर वापस भारत लौटीं को हाल ही में मुंबई में नजर आईं।

सुहाना को फिल्म मेकर जोया अख्तर के ऑफिस से निकलते हुए स्पॉट किया। इस दौरान की तस्वीरों को आप यहाँ देख सकते हैं। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद इन चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया कि क्या अब सुहाना खान अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं? वैसे बॉलीवुड डायरेक्टर जोया अख्तर ने अपनी नई फिल्म की घोषणा पिछले साल की थी। उस दौरान उन्होंने कहा था कि वह आर्ची कॉमिक्स को फिल्म की शक्ल देने जा रही हैं। आप सभी को बता दें कि जोया का ये प्रोजेक्ट नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए जोया ने 'आर्ची कॉमिक्स' के स्क्रीनशॉट शेयर किए थे। हालांकि उन्होंने फिल्म के कास्ट को लेकर कोई खुलासा नहीं किया था।

वहीं अब सुहाना खान को जोया अख्तर के ऑफिस के बाहर स्पॉट होने के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि ये परियोजना के लिए सुहाना तैयार हैं। मिली जानकारी के तहत सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा फिल्म में अभिनय करेंगे। जी दरअसल जोया की इस फिल्म का नाम द आर्चीज होगा और ये चार दोस्तों की कहानी होगी, जिसमें उनकी टीनएज लाइफ को दिखाया जाएगा। केवल यही नहीं बल्कि इसमें लव ट्राएंगल का तड़का भी लगेगा।

ऋचा चड्ढा ने बताया कि क्राइम थ्रिलर देखना दिलचस्प क्यों है

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने बताया कि थ्रिलर की शैली इतनी लोकप्रिय क्यों है। शो के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने कहा कि यह एक गहरी जांच की तरह है। यह एक मामले को सुलझाने वाली टीम की तरह है। उस टीम के भीतर अलग-अलग चीजें हैं।

लेकिन 100 प्रतिशत मुझे लगता है कि ये चीजें दिलचस्प हैं क्योंकि हमारे आस-पास बहुत सारे अपराध हैं और मुझे लगता है कि अपराध कुल मिलाकर एक दिलचस्प विषय है यदि आप सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शो में से एक सावधान इंडिया को देखे, लोगों को शो पसंद हैं।

जब से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है, ऋचा ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों और आलोचकों को हमेशा प्रभावित किया है।

क्या दमदार किरदारों को निभाना एक सचेत विकल्प है?

नहीं, वास्तव में नहीं। क्या होता है जब लोग आपको स्ट्रिंग हेड के रूप में देखते हैं तो वे आपका हिस्सा बन जाते हैं। यह कुछ ऐसा नहीं है जो सचेत है।

उन्होंने कहा कि मैं कई तरह के किरदार निभाना पसंद करूंगी, लेकिन जाहिर तौर पर मैं सुपर दिलचस्प किरदारों को ठुकराने नहीं जा रही हूं। मैं सुधा जैसे किरदार को ठुकरा नहीं सकती।

तिग्मांशु धूलिया द्वारा अभिनीत द ग्रेट इंडियन मर्डर विकास स्वरूप के दूसरे उपन्यास सिक्स सस्पेक्ट्स का स्क्रीन रूपांतरण है। यह एक हाई-प्रोफाइल मंत्री के बेटे की हत्या के इर्द-गिर्द घूमता है। इसमें रघुबीर यादव, आशुतोष राणा, पाओली डैम, जतिन गोस्वामी और शशांक अरोड़ा के साथ मुख्य भूमिका में प्रतीक गांधी और ऋचा शामिल हैं। यह वर्तमान में डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली में स्ट्रीमिंग कर रहा है।

विश्वासम की हिन्दी रीमेक के ऑफर को अजय और अक्षय ने ठुकराया

मनीष शाह एक भारतीय फिल्म प्रोड्यूसर और गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के मालिक हैं। गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के सौजन्य से वह कई साउथ फिल्मों को हिन्दी में डब कर चुके हैं। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने तमिल फिल्म विश्वासम की हिन्दी रीमेक के राइट्स खरीद लिए हैं। सुनने में आ रहा है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए अजय देवगन और अक्षय कुमार को अप्रोच किया था। हालांकि, दोनों ही कलाकारों ने इस ऑफर को ठुकरा दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और अक्षय ने तमिल फिल्म विश्वासम की हिन्दी रीमेक के ऑफर को रिजेक्ट कर दिया है। एक सूत्र ने बताया, मनीष सालों से टीवी और अपने यूट्यूब चैनल पर डब फिल्में रिलीज कर रहे हैं और सफल भी हुए हैं। अब वह हिन्दी फिल्मों का निर्माण करना चाहते हैं। उन्होंने साउथ अभिनेता अजित कुमार की 2019 में आई फिल्म विश्वासम की रीमेक के अधिकार खरीदे हैं।

एक सूत्र की मानें तो मनीष ने चार करोड़ रुपये में फिल्म की हिन्दी रीमेक के अधिकार हासिल किए हैं। अभी तक इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम शुरू नहीं हो पाया है। सूत्र ने कहा, मनीष ने ऑरिजनल फिल्म में अजित द्वारा निभाई गई भूमिका को फिर से पर्दे पर उतारने के लिए अजय को अप्रोच किया था। हालांकि, उन्होंने यह ऑफर ठुकरा दिया। अक्षय ने भी फिल्म के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

खबरों की मानें तो अक्षय और अजय दोनों को लगा कि यह फिल्म हिन्दी दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल नहीं होगी। बालाजी टेलीफिल्म्स को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का ऑफर दिया गया था। इस फिल्म को को-प्रोड्यूस करने के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स को अप्रोच किया गया था। ऐसी चर्चा है कोई भी बड़े अभिनेता ने इस फिल्म के लिए अपनी हामी नहीं भरी। यही वजह है कि बालाजी टेलीफिल्म्स ने अपने पांव पीछे खींच लिए।

रिपोर्ट की मानें तो अप्रैल, 2019 में अभिनेता शाहरुख खान को ऑरिजनल फिल्म विश्वासम के निर्देशक शिवा ने अप्रोच किया था। हालांकि, किसी वजह से बात नहीं बन पाई और शाहरुख ने भी इस प्रोजेक्ट को रिजेक्ट कर दिया था।

विश्वासम का निर्देशन शिवा ने किया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 200 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का कुल बजट करीब 100 करोड़ रुपये था। फिल्म में अजित के अलावा जगपति बाबू और नयनतारा को भी देखा गया है। फिल्म 10 जनवरी, 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक गांव के बदमाश की कहानी है जिसकी जिंदगी में तब मोड़ आता है, जब वह कई सालों बाद अपनी बिछड़ी हुई पत्नी से मिलता है। अजय स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान में दिखेंगे। इसमें वह एक फुटबॉल कोच की भूमिका निभाएंगे।उन्हें आरआरआर में भी देखा जा सकता है। वह गंगूबाई काठियावाड़ी और रेड 2 में भी नजर आएंगे। अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। उन्हें फिल्म राम सेतु में जैकलीन फर्नांडिस व नुसरत भरूचा के साथ देखा जाएगा। वह फिल्म रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है।

आज की युवा पीढ़ी और राष्ट्र के प्रति अभिमान

कु. कृतिका खत्री

भारत एक प्रचंड युवा शक्ति से परिपूर्ण देश है। आंकड़ों के अनुसार देश मे 22 प्रतिशत जनसंख्या 18 से 29 वर्ष आयु वर्ग की है। ये युवा इस देश के मुख्य आधार स्तंभ हैं । यह स्तंभ जितना मजबूत और राष्ट्रनिष्ठ होगा, देश उतना ही आगे बढ़ेगा। फ्रेंच राज्य क्रांति के प्रणेता रूसो ने कहा था कि , आपके देश में युवाओं के होठों पर कौन से गीत है ? मुझे बताओ, मैं तुम्हारे देश का भविष्य बताता हूं। रूसो के वक्तव्य को किसी भी कसौटी पर जांच कर देखा जाए तो उसकी सत्यता स्वीकारणीय है। इस कसौटी को देश, काल, स्थिति आदि किसी का भी बंधन नहीं है । भारत के विषय में कहा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में युवाओं में देशभक्ति की ज्योत जलती हुई प्रतीत होती है, फिर भी इसे देशभक्ति की धधकती ज्योत में बदलने के लिए एक ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है।

भारत के गौरवशाली युवाओं का इतिहास: भारत का गौरवशाली युवाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। आदि शंकराचार्य ने 11 वर्ष की आयु में आत्मज्ञान प्राप्त किया और हिंदू धर्म की पुनर्स्थापना के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। संत ज्ञानेश्वर महाराज ने 16 वर्ष की अल्पायु में महान ग्रंथ ज्ञानेश्वरी की रचना कर समाज को दिशा दी। 16 वर्ष की आयु में छत्रपति शिवाजी महाराज जी ने अपने साथियों के साथ रायरेश्वर के मंदिर में हिंदवी स्वराज्य की स्थापना का संकल्प लिया। मात्र 30 वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में धर्मपरिषद में एक ऐतिहासिक भाषण दिया और दुनिया भर में हिंदू धर्म का ध्वज लहराया । अपने 39 वर्ष के कार्यकाल के दौरान, बाजीराव पेशवा जी ने मराठा साम्राज्य का विस्तार किया और सीमा पार जाकर अटक तक झंडे फहराए। हाल के समय में, लगभग सौ वर्ष पूर्व , बहुत ही कम आयु के युवा भारत की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए। ऐसे कई प्रतिभाशाली नवयुवकों के उदाहरण हैं जिन्होंने धर्म और राष्ट्र के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया । आज इस गौरवशाली युवा की परंपरा का अंत हो गया है, यह निश्चित है! आज देश में असाधारण देशभक्ति और धर्मपरायणता वाले युवा हैं; परंतु इनकी संख्या कम है। भारत के युवाओं की समग्र तस्वीर पर दृष्टि डालें तो यह अधिक अर्थ केंद्रित लगता है। यदि यह केंद्र अर्थ से राष्ट्र की ओर चला जाए तो देश की प्रगति में अधिक समय नहीं लगेगा।

वर्तमान की दयनीय स्थिति. : आज का औसत भारतीय युवा हिंसक और अश्लील धारावाहिकों, फिल्मों, व्यसनों, अश्लील साहित्य के कारण मार्ग भटक गया है। बड़े पैमाने पर पैकेज के रूप में गाड़ी-बंगला इन भौतिक सुख सुविधाओं को जीवन का ध्येय मानने के कारण युवाओं में आत्मकेंद्रितता बढ़ रही है, ऐसे स्वार्थी युवक जहां जन्मदाता माता-पिता को भी वृद्धाश्रम में रखते समय तनिक भी विचार नहीं करते, वहां वे राष्ट्र के लिए कुछ योगदान देंगे यह अपेक्षा रखना बहुत बड़ी गलती होगी । नशे की लत के कारण फिल्म अभिनेताओं पर हुई कार्यवाही देखकर दु:खी होने वाले युवा, जो फिल्म अभिनेताओं के निजी जीवन की घटनाओं को पढ़ने में रुचि रखते हैं, जो तकनीकी प्रेम की आड़ में मोबाइल फोन, टेलीविजन, कंप्यूटर से ग्रस्त हैं, जो मुसीबत में फंसे हुए व्यक्ति को मदद करने की अपेक्षा उसकी असहाय स्थिति का चित्रीकरण करने मे मग्न हैं, ऐसे युवक राष्ट्र निर्मिति के कार्य में योगदान नहीं दे सकते ।

आज भी अनेक युवक भारत के राष्ट्रगीत और राष्ट्रीय गान के सन्दर्भ में भ्रमित हैं। आज भी बहुत से लोग वंदे मातरम को पूर्ण नहीं गा सकते हैं। गोवा में कॉलेज के छात्रों के एक सर्वेक्षण के दौरान, छात्रों द्वारा भारत के राष्ट्रगान के रूप में हम होंगे कामयाब, ए मेरे वतन के लोगों जैसे जवाब मिले। पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि मुंबई, बैंगलोर और चेन्नई में 40 प्रतिशत छात्र राष्ट्रगान ठीक से नहीं गा सके। यदि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति उदासीनता है, तो देशभक्ति के विषय में प्रश्न उठता है।

स्वामी विवेकानंद जी ने एक बार कहा था, आज के युवा, देश को कैसे विकसित करें इसकी अपेक्षा कैसे बालों का सौंदर्य करें । इसके लिए अधिक चिंतित हैं । देश ने मुझे क्या दिया है?, इसकी अपेक्षा मैं देश को और क्या दे सकता हूं? इसका विचार होना चाहिए ।

राष्ट्रभक्ति का प्रवाह क्षीण होने के कारण : स्वतंत्रता पूर्व काल में देशभक्ति से प्रभावित हुए युवा पीढी की देशप्रेम की भावना स्वातंत्र्योत्तर काल में क्षीण होने के कई कारण हैं। इसके पीछे मैकाले रचित शिक्षाशास्त्र मुख्य कारण है। आज डिग्री के कागजात लेकर विश्वविद्यालय से निकलने वाले युवाओं को नौकरी के लिए भटकना पड़ रहा है। यह एक सच्चाई है कि किताबी ज्ञान से स्नातक करने वाला एक युवा गहन ज्ञान प्राप्त करने के स्थान पर व्यावहारिक और यथार्थवादी दुनिया में अप्रभावी होता जा रहा है। फ्रांसीसी क्रांति कैसे हुई?, द्वितीय विश्व युद्ध कैसे हुआ?, इसका इतिहास आज शैक्षिक पाठ्यक्रमों में पढ़ाया जाता है; परंतु पेशवाओं ने सरहद पार झण्डा कैसे फहराया ?, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम कैसे हुआ ? विजयनगर का साम्राज्य कैसे खड़ा रहा ? भारत की प्राचीन प्रगल्भ संस्कृति कैसी थी ? विज्ञान-तंत्रज्ञान में भारत कितना अग्रसर था ? भारत का सकल राष्ट्रीय उत्पादन का हिस्सा 30 प्रतिशत कैसे पहुंचा था ? इस विषय के बारे में युवा वर्ग को अनभिज्ञ रखने के कारण उनमें देशभक्ति निर्माण होने में बाधा उत्पन्न हुई है। उस विकृत इतिहास को थोपकर भारत के सभी गौरवशाली स्थानों को हीनता के केंद्र में बदल दिया गया है, तो उनमें देशभक्ति का निर्माण कहाँ से होगा? जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है वह एक उज्जवल भविष्य नहीं बना सकता। इसके लिए सिर्फ अकादमिक पाठ्यक्रम ही नहीं बल्कि मीडिया भी जिम्मेदार है। पाक्षिक आर्यनीति के संपादक श्री. सत्यव्रत सामवेदी ने कहा था कि देश के युवाओं में देशभक्ति की प्रेरणा देने में मीडिया की विफलता राष्ट्र के पतन का एक महत्वपूर्ण कारण है ! आज, युवा लोगों को फिल्म अभिनेताओं के नाम और उनके जन्मदिन से अवगत कराया जाता है; लेकिन क्रांतिकारियों और उनकी जयंती और वर्षगांठ के नाम ज्ञात नहीं हैं। जब यह स्थिति बदलेगी तो देश का वास्तविक विकास होगा।

राष्ट्रभक्ति के अभाव के दुष्परिणाम : राष्ट्रभक्ति के अभाव के कारण आज राष्ट्र प्रथम की अपेक्षा स्वार्थ प्रथम यह समीकरण बन गया है। आज के समय में अनेक बुद्धिमान युवा धनार्जन हेतु विदेशों में जा रहे हैं हैं। तथाकथित समाज कल्याण के नाम पर किए जाने वाले आंदोलनों में युवा पत्थर फेंककर, आग लगाकर और सड़कों को अवरुद्ध करके राष्ट्रीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं। कई लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं। उन्हें इस बात का भान भी नहीं है कि राजनीतिक दल उनकी भावनाओं से खेल रहे हैं और अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए उनका उपयोग कर रहे हैं, जिस प्रकार जलती हुई लकड़ी घर को जला कर राख कर देती है, उसी प्रकार युवा पीढ़ी अपने साथ अपने देश का भी विनाश कर रही है,ऐसे दिखाई देता है। आज युवा पीढ़ी को जागृत कर तथा सन्मार्ग पर लगा कर युवा शक्ति का होने वाली हानि रोकने की आवश्यकता है ।

राष्ट्रभक्ति कैसे निर्माण करें? : देशभक्ति दिखाने के लिए हर किसी को सीमा पर जाकर लड़ना है, ऐसा नहीं है ; बल्कि कई सरल कार्यों का पालन करके भी व्यक्ति अपने आप में देशभक्ति का संस्कार निर्माण कर सकता है। देशभक्ति बढ़ाने के लिए अपनी स्वभाषा और स्वसंस्कृति पर गर्व करना चाहिए। इस गौरव को बनाने के लिए स्वभाषा और स्वसंस्कृति का अध्ययन करना, उनकी विशेषताओं को जानना आवश्यक है।

क्रांतिकारियों और देशभक्तों के चरित्रों का पठन करके देशभक्ति की ज्योत प्रज्वलित की जा सकती है।

सू- दोकू क्र.123

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.122का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सुरक्षा कवच को हथियार बनाने के खतरे

अनूप भटनागर

महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग से न्यायपालिका चिंतित है। ये दुरुपयोग भले ही अपवाद लगें लेकिन धीरे-धीरे ऐसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। तभी न्यायपालिका लगातार अपनी व्यवस्थाओं में महिलाओं के हितों की रक्षा से संबंधित कानूनों का इस्तेमाल बहुत ही सावधान से करने पर जोर देती रही है। न्यायपालिका भी महसूस करती है कि कई बार आवेश में आकर या फिर अपने विरोधी या प्रतिद्वंद्वी को सबक सिखाने के इरादे से ही यौन हिंसा, यौन उत्पीड़न या फिर दहेज के कारण प्रताड़ना जैसे आरोप लगा दिये जाते हैं जो आगे चलकर सही साबित नहीं होते। अक्सर निराधार आरोपों की वजह से कई जिंदगियां भी बर्बाद हो जाती हैं।

उच्चतम न्यायालय ने ससुराल में स्त्रियों पर होने वाले अत्याचार के मामलों से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के बारे में 2005 में कहा था कि इस प्रावधान का मकसद दहेज को जड़ से खत्म करना है लेकिन इस प्रावधान का दुरुपयोग एक नए कानूनी आतंकवाद को जन्म दे सकता है। इसी तर्ज पर अब पत्नी की मर्जी के बगैर उससे यौनाचार को अपराध नहीं मानने संबंधी भारतीय दंड संहिता की धारा 375 अपवाद-दो के पक्ष में दलीलें दी जा रही हैं। इस अपवाद को समाप्त करने के लिए दायर याचिकाओं पर दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा जा रहा है कि इसे निरस्त करने से इसके दुरुपयोग की घटनाएं बढ़ेंगी और परिवार टूटने के खतरे हो जाएंगे। अब न्यायपालिका भी महसूस करती है कि यौन उत्पीड़न के झूठे

आरोपों में पुरुषों को फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति से महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रयासों को धक्का लगता है।

दरअसल, कुछ मामलों में तो न्यायालय ने बलात्कार जैसे गंभीर आरोप झूठे पाये जाने पर शिकायतकर्ता पर जुर्माना लगाने के साथ ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की पीड़ित पक्ष को छूट भी दी है। लेकिन अब मांग है कि पीड़ित पक्ष को यौन हिंसा से पीड़ितों की तरह ही उचित मुआवजा दिया जाए। आज छोटे-मोटे मुद्दों पर भी यौन उत्पीड़न के आरोपों के साथ प्राथमिकी दर्ज होने लगी हैं, जिनमें आगे चलकर आरोप सही नहीं पाये गए और प्राथमिकी रद्द हो गयी। लेकिन निर्दोष व्यक्तियों की प्रतिष्ठा धूल-धूसरित हो रही है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न के आरोपों की चपेट में आए दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त कर दी और शिकायतकर्ता के रवैये पर तीखी टिप्पणियां कीं। दरअसल, शिकायतकर्ता महिला और प्रोफेसर पड़ोसी थे और दोनों में पानी की टंकी गिराने के मुद्दे को लेकर टकराव की स्थिति थी। लेकिन महिला ने प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न और धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करा दी। पुलिस ने मामला निपटाने के लिए आरोपी को पांच लाख रुपये के साथ थाने में बुला लिया।

इस समय, उच्चतम न्यायालय में भी एक पूर्व महिला अतिरिक्त जिला न्यायाधीश का मामला लंबित है जिन्होंने कई अन्य न्यायिक अधिकारियों के द्वारा तबादला किये जाने पर यौन उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए 15 जुलाई, 2014 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के मद्देनजर सांसदों ने राज्यसभा के सभापति को एक याचिका दी। सभापति ने सारे तथ्यों का पता लगाने के लिए एक समिति गठित की, जिसने 15 दिसंबर, 2017 को यौन उत्पीड़न के आरोपों को गलत पाया था। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अप्रैल, 2021 में कांग्रेस के एक नेता पर बलात्कार का झूठा आरोप लगाने वाली एक युवती पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। अब आवश्यकता इन कानूनों का दुरुपयोग रोकने की है।

ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू सदावना कालोनी मोहकमपुर निवासी गौरव कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने जीजा राहुल बिश्नोई के साथ हरिद्वार से दून के लिए आ रहे थे जब वह लालतप्पड के पास पहुचं तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसके जीजा की दोनों डांग फैक्चर हो गया तथा उसको भी चोटें आयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो युवतियां लापता, एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। दो अलग-अलग स्थानों से दो युवतियां लापता हो गयी। एक मामले में एक युवक को नामजद किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांदमारी निवासी व्यक्ति ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी बाजार से सामान लेने गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उन्होंने उसको काफी तलाश किया तो कुछ लोगों ने बताया कि उनकी बेटी को मौहल्ले में रहने वाले बाबूराम के बेटे आदित्य के साथ जाते हुए देखा गया है। उन्होंने आदित्य के खिलाफ उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया। वहीं पीडब्लूडी कालोनी निवासी व्यक्ति ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी भांजी घर से मोमो खाने के लिए गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने नारी शिल्प मार्ग पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर उसके पास रखे थैले से पुलिस ने 90 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम संजय निवासी चुक्खुवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मध्यप्रदेश के कॉलेज ने हिजाब पर लगाया प्रतिबंध, प्राचार्य की तरफ से जारी किया गया लिखित आदेश

भोपाल। कर्नाटक से उठा हिजाब का मुद्दा देश में धीरे-धीरे पैर पसार रहा है। अब मध्यप्रदेश के दतिया के एक कॉलेज ने छात्राओं को हिजाब और समुदाय से जुड़े विशेष पोशाक नहीं पहनने का लिखित आदेश जारी किया है। दतिया मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का गृह नगर है। पीजी गवर्नमेंट कॉलेज के प्राचार्य के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी किया गया है। इसमें लिखा है कि महाविद्यालय में समस्त प्रवेशित छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि किसी समुदाय विशेष से संबंधित अथवा किसी अन्य विशेष वेशभूषा जैसे हिजाब आदि में प्रवेश न करें। छात्र-छात्राएं इस शिक्षा के मंदिर में शालीन एवं सभ्य वेशभूषा में प्रवेश लें। बताया जाता है कि इस कॉलेज में हिजाब पहने दो छात्राओं का वीडियो सामने आया था। इसके बाद यहां छात्रों ने प्रदर्शन किया था। मामला नहीं बढ़े, इसके लिए प्राचार्य ने ऐसा आदेश जारी किया है। हाल ही में मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का हिजाब के संबंध में एक बयान सामने आया था। पिछले हफ्ते मंगलवार को ही उन्होंने कहा था कि हिजाब यूनिफॉर्म कोड का हिस्सा नहीं है। अगर कहीं कोई हिजाब पहनकर स्कूल में आता है, तो उसे रोका जाएगा। स्कूलों में यूनिफॉर्म कोड के अनुसार ही आना होगा। मंत्री ने कहा कि अपनी परंपराओं का पालन घरों में करें।

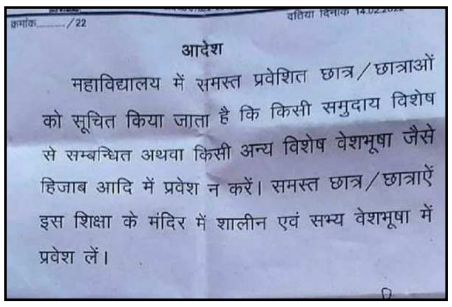

वाहन की चपेट में आकर चार होमगार्डो सहित पांच घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर चुनाव डयूटी से लौट रहे राजस्थान के चार होमगार्ड व एक महिला घायल हो गये जिनको दून चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। मामले में कार चालक विकास अधिकारी को हिरासत में लिया तो उसने बताया कि वह चुनाव डयूटी से वापस आ रहा था तथा नींद की झपकी लगने से दुघर्टना हो गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज समय साढे सात बजे वैगन आर द्वारा श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल सहस्त्रधारा रोड थाना रायपुर गेट के सामने रोड पर पैदल जा रहे चार होमगार्ड कर्मचारी व एक अन्य महिला को पीछे से टक्कर मार दी और फरार हो गया।

घटना में होमगार्ड रंजीत मीणा पुत्र शिव लाल मीणा निवासी होमगार्ड ऑफिस हनुमानगढ़, राजस्थान, होमगार्ड रघुवीर मंडल पुत्र नंदलाल निवासी हनुमानगढ़ वार्ड नम्बर 50 थाना हनुमानगढ़, राजस्थान, होमगार्ड भंवर सिंह मीणा पुत्र हजारी लाल निवासी पुलिस लाइन हनुमानगढ़ राजस्थान, होमगार्ड राम खिलाड़ी मीणा पुत्र मनफूल मीना निवासी पुलिस लाइन हनुमानगढ़ राजस्थान, श्रीमती नौरती पत्नी बबलू निवासी ब्रह्मवाला खाला थाना रायपुर देहरादून घायल हो गए, उक्त सभी घायलों के पैरों में फैक्चर व अन्य चोटे आयी है। सभी घायलों को उपचार हेतु दून अस्पताल ले जाया गया, जहां पर सभी का उपचार चल रहा है तथा घटना कर फरार होने वाले वैगन आर को मय वाहन चालक संदीप सुमन पुत्र स्व० हर्ष देव निवासी लेन नम्बर 16 राजेश्वर नगर फेज 2 सहस्त्रधारा रोड, रायपुर देहरादून को आवश्यक कार्यवाही चौकी लाया गया है। वाहन चालक संदीप सुमन, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड भोपाल पानी मे विकास अधिकारी के पद पर नियुक्त है, जो इलेक्शन डयूटी विकासनगर से वापस अपने घर जा रहा था, इस दौरान नींद की झपकी आने के कारण घटना होना बता रहा है। उक्त सम्बन्ध में तहरीर आने पर अग्रिम कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

गुलदार ने अधेड़ व्यक्ति को मार डाला

नई टिहरी (आरएनएस)। गजा तहसील के पसर गांव निवासी एक अधेड़ व्यक्ति को गुलदार ने मार डाला। गांव में वन विभाग की टीम को तैनात कर दिया गया है। गुलदार के हमले से ग्रामीणों में दहशत बनी है, ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में शूटर तैनात करने की मांग की है।

सोमवार को गजा तहसील के धमांस्यू पट्टी के पसर गांव निवासी राजेंद्र सिंह (५५) पुत्र जीवा सिंह करीब साढ़े छह बजे सुबह पूजा के लिये अपने आंगन में फूल लेने गए थे, तभी घात लगाकर बैठे गुलदार ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें घसीटते हुये घर से करीब सौ मीटर दूर ले गया। राजेंद्र की चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग घरों से बाहर आये, लोगों के शोर गुल मचाने के बाद गुलदार राजेंद्र को छोड़कर वहां से भाग निकला।

ग्रामीणों जब तक मौके पर पहुंचे तब तक राजेंद्र ने दम तोड़ दिया था। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना राजस्व उप निरीक्षक ओडाडा रमेश नौटियाल को दी, जिसके बाद राजस्व उप निरीक्षक तथा रेंज अधिकारी विवेक जोशी वन विभाग की टीम को लेकर मौके पर पहुंचे। रेंज अधिकारी ने बताया राजेंद्र सिंह की शादी नहीं हो रखी थी वह अपने घर में अकेले रहते थे। गुलदार के हमले के बाद ग्रामीणों में दहशत बनी है।

मुख्य चौराहों से पुलिस नदारत, कई जगहों पर लगा जाम

संवाददाता

देहरादून। शहर के कई मुख्य चौराहों से पुलिस नदारत दिखायी दी जिससे कई स्थानों पर लोगों को जाम से झुझना पडा। जाम से वाहनों की लम्बी कतारें लग गयी।

आज यहां गत दिवस मतदान समाप्त होने के बाद शहर के कई मुख्य चौराहों से पुलिस कर्मी नदारत दिखायी दिये। शहर के एमकेपी चौक, दर्शनलाल चौक , बिन्दाल पुल तिराहा आदि क्षेत्रों में सुबह से ही जाम की स्थिति बनी हुई थी। एमकेपी चौक पर तो ऐसा लग रहा था कि वाहन चल नहीं रहे रेंग रहे हों। लोगों को जाम में फंसकर काफी परेशानी उठानी पड रही थी। कई स्थानों पर कोई पुलिस कर्मी दिखायी नहीं दे रहे थे। यातायात का आज बुरा हाल दिखायी दिया।

धनाई सहित दो पर मतदान की गोपनीयता भंग करने का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कनक धनाई सहित दो लोगों पर मतदान की गोपनीयता भंग करने का मुकदमा दर्ज।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस हुए मतदान के बाद डॉ वीरेंद्र नाथ गुप्ता प्रभारी उड़नदस्ता २४-ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र सामान्य निर्वाचन २०२२ ने कोतवाली आकर एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि २४ ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी कनक धनाई द्वारा स्वयं को बूथ में मशीन के सामने खड़ा दिखाकर तथा ललित सक्सेना द्वारा वोटर सेल्फी प्वाइंट में वीवीपीएटी में कांग्रेस के प्रत्याशी जयेन्द्र चंद्र रमोला व हाथ का पंजा के निशान का स्लीप फेसबुक पर फोटो अपलोड कर मतदान की गोपनीयता भंग करने संबंधित दिया गया।

क्योंकि मतदान केंद्र बूथ पर इस प्रकार फोटो खींचकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। अत: प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उपरोक्त दोनों व्यक्तियों कनक धनाई एवं ललित सक्सेना के विरुद्ध कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक नजर

'भाजपा को जीताओ, अगले 5 साल तक मुफ्त बिजली पाओ'

औरेया। उत्तर प्रदेश के औरेया में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि पहले और दूसरे चरण में समाजवादी पार्टी और बसपा का सूपड़ा साफ होगा और भाजपा तेजी के साथ ३०० सीटों की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को १० मार्च को प्रचंड बहुमत से जीताओ और पांच साल तक किसी भी किसान को बिजली का बिल नहीं भरना पड़ेगा। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो चरणों के मतदान समाप्त हो चुके हैं और समाजवादी पार्टी का पूरी तरह सफाया हो गया है।

पश्चिमी यूपी ने ३०० से ज्यादा सीटों वाली बीजेपी सरकार की नींव रखने का काम किया है। तीसरे चरण में यह बहुमत बढ़ाना है। शाह ने कहा कि होली १८ (मार्च) को है, मतगणना १० को, बीजेपी सरकार सत्ता में लाओ, १८ को मुफ्त गैस सिलेंडर आपके घर पहुंचेगा। अगले ५ साल तक किसी भी किसान को नहीं देना होगा बिजली बिल। फिरोजाबाद के सिरसागंज में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा करते हुए कहा कि बीजेपी धमाके के साथ सत्ता में आ रही है... लेकिन इससे पहले पूरे राज्य में अराजकता का माहौल था। अब उत्तर प्रदेश में किसानों और व्यापारियों पर दंगे, कर्फ्यू या बमबारी नहीं देखी जाती है, उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्राएं मनाई जाती हैं।

कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब में चुनाव के बीच राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री अश्विनी कुमार ने आज पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अश्विनी कुमार एक अनुभवी कांग्रेसी नेता और यूपीए के पहले वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्होंने २०१६ में अपनी लोकसभा चुनाव हार के बाद कांग्रेस को छोड़ दिया। कुमार ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय मनोदशा को नहीं दर्शाती है। पिछले दो सालों में कांग्रेस से कई बड़े नेता जा चुके हैं। इससे पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह जैसे नेता पार्टी छोड़ जा चुके हैं। वहीं सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी और ललितेशपति त्रिपाठी भी पार्टी छोड़ चले गए। माना जा रहा था कि अभी तक पार्टी से युवा चेहरे ही जा रहे हैं लेकिन कुमार के बाहर निकलने का संकेत है कि पुराने गार्ड का भी पार्टी की स्थिति से मोहभंग हो रहा है।

चारा घोटाला: डोरंडा कोषागार से फर्जी निकासी के मामले में लालू प्रसाद यादव दोषी करार

रांची। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को ६५० करोड़ के चारा घोटाले से जुड़े पांचवें मामले में भी दोषी करार दिया गया है। रांची में सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार सुबह अपना फैसला सुनाया। यह मामला डोरंडा कोषागार से १३६ करोड़ की अवैध निकासी से जुड़ा है। इस मामले में लालू समेत ७५ लोगों को दोषी करार दिया गया है। इस मामले में कोर्ट सजा का ऐलान २१ फरवरी को करेगी। लालू इससे पहले चारा घोटाले के चार अन्य मामलों में पहले ही दोषी करार दिए जा चुके हैं। रांची

की विशेष सीबीआई अदालत ने २६ जनवरी को लालू प्रसाद से जुड़े डोरंडा कोषागार गबन मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस में अगर कोर्ट लालू को तीन साल से अधिक की सजा सुनाती है तो उन्हें तत्काल जेल जाना होगा, जो अभी जमानत पर हैं। विशेष सीबीआई के न्यायाधीश एस के शशि की अदालत ने लालू प्रसाद सहित ६६ आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी की थी, जो पिछले साल फरवरी से चल रही थी। मामले में २४ लोगों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। सभी आरोपियों को फैसले के दिन अदालत में प्रत्यक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया गया था। मामले के मूल १७० आरोपियों में से ५५ की मौत हो चुकी है, सात सरकारी गवाह बन चुके हैं, दो ने अपने ऊपर लगे आरोप स्वीकार कर लिए हैं और छह फरार हैं।

भाजपा विधायक के बयानों से पार्टी असहज

संवाददाता

देहरादून। लक्सर से भाजपा के सिटिंग विधायक संजय गुप्ता द्वारा अपनी ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पर अपने वायरल वीडियो में जिस तरह के गंभीर आरोप लगाए गए हैं और उन्हें गद्दार बताकर पार्टी से बाहर निकालने की मांग की है उसे लेकर अब पार्टी में हंगामा मचा हुआ है। वहीं विपक्ष भी इस पर चुटकी लेते हुए इसे मतगणना से पूर्व ही भाजपा द्वारा हार मान लेने जैसा बताया जा रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश जोशी का कहना है कि भाजपा के विधायक द्वारा जिस तरह से आरोप लगाए गए हैं वह कितने गंभीर हैं सवाल यह नहीं है सवाल यह है कि पार्टी के किसी भी नेता के बारे में किसी को भी क्या सार्वजनिक रूप से इस तरह की बातें की जानी चाहिए। पार्टी के किसी भी नेता को अगर कोई शिकायत है तो उसे उचित पार्टी

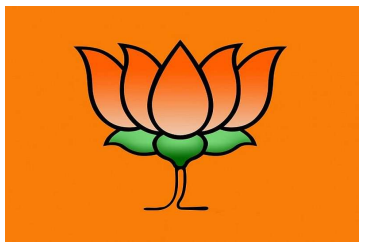

❑विधायक का बयान अनुशासनहीनता:जोशी
❑भाजपा ने मतगणना से पहले ही मानी हार: प्रीतम

मंच पर पार्टी फोरम में अपनी बात रखनी चाहिए। जिस तरह से संजय गुप्ता ने अपना वीडियो बनाकर वायरल किया है वह पार्टी के अनुशासन के खिलाफ है। लेकिन क्या पार्टी अपने सिटिंग विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी? इस पर भाजपा नेता अभी चुप्पी साधे हुए हैं। सुरेश जोशी का कहना है कि यह भी देखा जाएगा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया है? मतदान के तुरंत बाद आए इस वीडियो में जिसमें संजय गुप्ता ने मदन कौशिक पर उन्हें हराने के लिए काम करने के आरोप लगाए हैं, कितने सही या गलत हैं कहना मुश्किल है लेकिन कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नेता विपक्ष प्रीतम ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है लेकिन भाजपा की इस रार से उनकी अनुशासित पार्टी के दावे की पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा विधायक और भाजपा ने मतगणना से पूर्व ही अपनी हार मान ली है। उन्होंने कहा कि यह भी हो सकता है कि अपनी हार सुनिश्चित देखकर भाजपा विधायक इस हार का ठीकरा मदन कौशिक के सर फोड़ना चाहते हो। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं की यह आपसी रार इस बात का संकेत है कि प्रदेश में भाजपा जा रही है और कांग्रेस आ रही है।

सड़क दुर्घटना में चार दोस्तो की मौत, पांचवे की हालत गम्भीर

हमारे संवाददाता

हल्द्वानी। सड़क दुर्घटना में कल देर रात एक तेज रफ्तार कार के पेड़ से टकराने से पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा चार लोगों को मृत घोषित किया गया वहीं पांचवे व्यक्ति का उपचार किया जा रहा है। जिसकी हालत चितांजनक बनी हुई है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात कार्तिक डोभाल पुत्र राजेश सिंह डोभाल, चित्रेश गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता निवासी बद्रीपुरा, अक्षय अहुजा पुत्र महेश अहुजा निवासी पीली कोठी व प्रियांशु अपने दोस्त कमलेश पांडेय के साथ कार से शहर घूमने निकले। बताया जा रहा है कि उनकी कार कुंवरपुर चौराहे के पास आम के पेड़ से टकरा गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनकी कार तेज रफ्तार थी जिस पर से चालक अपना नियंत्रण खो बैठा था। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी काठगोदाम थाना पुलिस को दी तो पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने कार्तिक डोभाल, चित्रेश गुप्ता, अक्षय अहुजा व प्रियांशु बिष्ट को मृत घोषित कर दिया। जबकि कमलेश पांडेय की हालत गम्भीर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी परिजनों को मिली तो उनके परिवारों में कोहराम मच गया। बहरहाल पुलिस ने सभी चारों शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

कार खाई में गिरने से एक मतदान कर्मी की मौत, तीन घायल

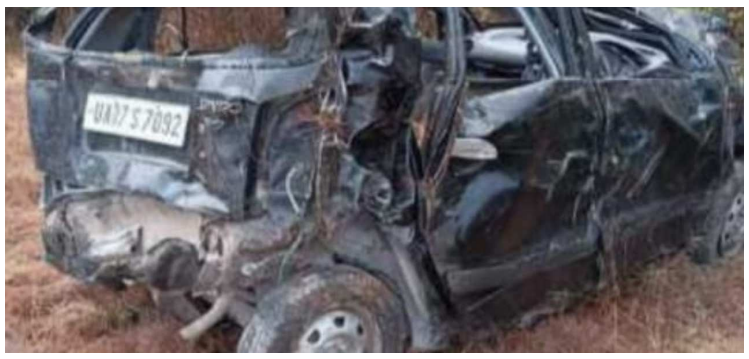

हमारे संवाददाता

देहरादून। चुनाव ड्यूटी से वापस आ रहे मतदान कर्मियों की कार खाई में गिर जाने से जहां एक की मौत हो गयी वहीं तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत गम्भीर देखते हुए उन्हे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। मृतक और घायल सभी मतदान कर्मी देहरादून निवासी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह पौड़ी मोटर मार्ग पर एक कार खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी लोगों की ड्यूटी चुनाव के चलते नैनीडांडा ब्लाक के अलग-अलग क्षेत्रों में लगी थी। बताया जा रहा है कि चुनाव सम्पन्न होने के बाद सामान जमा करा कर सभी चारों लोग राजधानी देहरादून स्थित अपने घरों को निजी कार से लौट रहे थे। जब उनकी कार पौड़ी-देवप्रयाग हाइवे पर पहुंची तो भटकोट के समीप कार चालक कार से अपना नियंत्रण खो बैठा और कार खाई में जा गिरी।

राजस्व उपनिरीक्षक दीपक देवरानी के अनुसार दुर्घटना में रणवीर सिंह नेगी पुत्र त्रिलोक सिंह निवासी भानियावाला देहरादून की मौत हो गयी जबकि जय सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी ऋषिकेश, सुरेन्द्र सिंह रावत पुत्र भोला सिंह निवासी हाथी बड़कला देहरादून व नरेन्द्र गुसाईं पुत्र आनन्द सिंह गम्भीर रूप से घायल हुए है। जिन्हे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है।

अब की बार किसकी...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

को तड़ीपार भी कर सकता है। क्योंकि कांग्रेस 2017 में तड़ीपार के बावजूद भी अपने वोट प्रतिशत को 33 प्रतिशत से ऊपर रखने में सफल रही थी।

मतदान के बाद दोनों राजनीतिक दलों के नेताओं की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। भले ही जीत के दावे दोनों दल कर रहे हो लेकिन अपनी जीत का पक्का भरोसा किसी को भी नहीं है कुछ राजनीतिक समीक्षक इस बार के चुनाव व परिणामों के चौंकाने वाले होने की बात भी कर रहे हैं। लेकिन ईवीएम की सील खुलने पर ही यह तय हो पाएगा की अब की बार किसकी बनेगी सरकार।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।